



20 May, 2024

आईएमडी का हीटवेव 'रेड अलर्ट'

संदर्भ: भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने विगत, 19 मई के लिए दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में लू को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है।

➤ हीटवेव क्या है?

- **परिभाषा:** आईएमडी के अनुसार, हीटवेव हवा के तापमान की एक स्थिति है, जो मानव शरीर के लिए घातक हो सकती है। इसे किसी क्षेत्र में वास्तविक तापमान या सामान्य से उसके अधिक विचलन के संदर्भ में तापमान सीमा के आधार पर परिभाषित किया जाता है।

➤ मानदंड:

- **मैदानी इलाकों के लिए:** अधिकतम तापमान कम से कम 40°C तक पहुँच जाता है।
- **पहाड़ी क्षेत्रों के लिए:** अधिकतम तापमान कम से कम 30°C तक पहुँच जाता है।
- **तटीय क्षेत्रों के लिए:** अधिकतम तापमान 37°C या सामान्य से अधिक है।
- **घोषणा का आधार:** तापमान का अधिकतम विचलन वातावरण के मौसम संबंधी उप-मंडल में कम से कम दो स्थानों पर लगातार कम से कम दो दिनों तक दर्ज की जानी चाहिए। इस आधार पर दूसरे दिन लू की घोषणा कर दी जाती है।

➤ भीषण हीटवेव क्या है?

- **परिभाषा:** प्रचलित तापमान सामान्य से 4.5°C से 6.4°C अधिक होने पर हीटवेव को भीषण हीटवेव वर्गीकृत किया जाता है।
- **मानदंड:** इस संदर्भ में 6.4°C से अधिक की वृद्धि को गंभीर लू माना जाता है।
- **पीक माह:** मई भारत में लू के लिए पीक माह है।

➤ हीटवेव रेड अलर्ट क्या है ?

- **परिभाषा:** यह अत्यधिक गर्मी की चेतावनी को संदर्भित करता है।
- **मानदंड:** इसके लिए गंभीर हीटवेव का दो दिनों से अधिक समय तक बने रहना या गर्मी/गंभीर हीटवेव वाले दिनों की कुल संख्या छह दिनों से अधिक होना।

Colour Code	Alert	Warning	Impact	Suggested Actions
Green (No action)	Normal Day	Maximum temperatures are near normal	Comfortable temperature. No cautionary action required.	Nil
Yellow Alert (Be updated)	Heat Alert	Heat wave conditions at isolated pockets persists on 2 days	Moderate temperature. Heat is tolerable for general public but moderate health concern for vulnerable people e.g. infants, elderly, people with chronic diseases	(a) Avoid heat exposure. (b) Wear lightweight, light-coloured, loose, cotton clothes. (c) Cover your head: Use a cloth, hat or umbrella
Orange Alert (Be prepared)	Severe Heat Alert for the day	(i) Severe heat wave conditions persists for 2 days (ii) Through not severe, but heat wave persists for 4 days or more	High temperature. Increased likelihood of heat illness symptoms in people who are either exposed to sun for a prolonged period or doing heavy work. High health concern for vulnerable people e.g. infants, elderly, people with chronic diseases.	(b) Avoid heat exposure—keep cool. Avoid dehydration. (b) Drink sufficient water—even if not thirsty. (c) Use ORS, homemade drinks like lassi, torani (rice water), lemon water, buttermilk, etc. to keep yourself hydrated
Red Alert (Take Action)	Extreme Heat Alert for the day	(i) Severe heat wave persists for more than 2 days. (ii) Total number of heat/severe heat wave days exceeding 6 days	Very high likelihood of developing heat illness and heat stroke in all ages.	Extreme care needed for vulnerable people.

- **प्रभाव:** सभी उम्र के लोगों में गर्मी की बीमारी और हीट स्ट्रोक विकसित होने की बहुत अधिक संभावना है। इसके लिए कमजोर लोगों (बुजुर्गों, शिशुओं, पुरानी बीमारियों वाले) के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता है।
- **उदाहरण:** चंडीगढ़ प्रशासन शर्तों के कारण दोपहर तक स्कूल बंद करने पर विचार कर रहा है।

➤ जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:

- **शोध:** अमेरिका स्थित समूह क्लाइमेट सेंटर के अनुसार मानव-जनित जलवायु परिवर्तन ने तीव्र गर्मी की संभावना को और अधिक बढ़ा दिया है।
- **WHO डेटा:** वर्ष 1998 और वर्ष 2017 के बीच हीटवेव से 166,000 से अधिक लोग मारे गए।

➤ हीटस्ट्रोक का इलाज

- **तत्काल कार्रवाई:** प्रभावित व्यक्ति को ठंडी जगह, छाया में लिटाएं। गीले कपड़े से पोंछें/शरीर को बार-बार धोएं। शरीर का तापमान कम करने के लिए सिर पर सामान्य तापमान का पानी डालें।
- प्रभावित व्यक्ति को ओआरएस/नीबू शर्बत/तोरानी या अन्य हाइड्रेटिंग तरल पदार्थ दें।
- प्रभावित व्यक्ति को तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। चिकित्सीय देखभाल आवश्यक है क्योंकि हीट स्ट्रोक घातक भी हो सकता है।

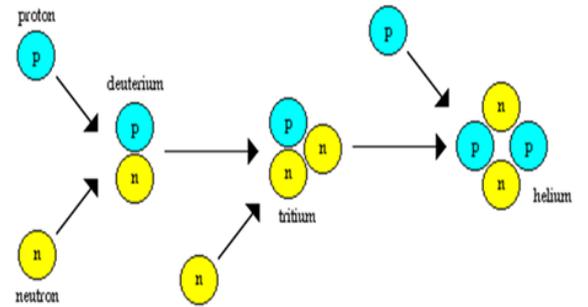
न्यूक्लियोसिंथेसिस (Nucleosynthesis)

संदर्भ: 'द हिंदू' में इस टॉपिक को संक्षेप में समझाया गया था, सम्भावना है कि यह सिविल सेवा परीक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण टॉपिक होगा।

- **परिभाषा:** न्यूक्लियोसिंथेसिस वह प्रक्रिया है जो पहले से मौजूद न्यूक्लियॉन (प्रोटॉन और न्यूट्रॉन) और नाभिक से नए परमाणु नाभिक बनाती है।

Nucleosynthesis

as the Universe cools, protons and neutrons can fuse to form heavier atomic nuclei



➤ न्यूक्लियोसिंथेसिस के प्रमुख प्रकार

1. बिग बैंग न्यूक्लियोसिंथेसिस:

- यह ब्रह्मांड निर्माण के पहले तीन मिनट के भीतर घटित हुआ।
- इसने 1H (प्रोटियम), 2H (ड्यूटेरियम), 3He, 4He, और 7Li और 7Be के अंश का उत्पादन किया।

2. तारकीय न्यूक्लियोसिंथेसिस:

- तारों में उनके विकास के दौरान होता है।
- परमाणु संलयन प्रक्रियाओं के माध्यम से कार्बन से लौह तक तत्वों का उत्पादन करता है।
- इसमें त्रिस्तरीय चरण होते हैं; अल्फा प्रक्रिया, एक्स-प्रक्रिया और अन्य शामिल हैं।

Face to Face Centres





20 May, 2024

3. विस्फोटक न्यूक्लियोसिंथेसिस:

- यह सुपरनोवा में घटित होता है और इसमें तेजी से न्यूट्रॉन कैप्चर (आर-प्रक्रिया) और अन्य तीव्र प्रक्रियाएं शामिल होती हैं।
- यह सिलिकॉन से लेकर निकल जैसे तत्वों के निर्माण और विघटन के लिए जिम्मेदार है।

4. न्यूट्रॉन तारों का विलय:

- यह आर-प्रक्रिया वाले तत्वों का मुख्य स्रोत है।
- इसमें टकराव के दौरान भारी तत्व बनाने वाले न्यूट्रॉन-समृद्ध पदार्थ को मुक्त कर दिया जाता है।

5. कॉस्मिक किरण स्पेलेशन:

- नाभिक को खंडित करके प्रकाश तत्व (3He, 9Be, 10,11B) उत्पन्न करता है।
- इस प्रकार की घटना अंतरतारकीय माध्यम और अन्य वातावरण में घटित होती है।

➤ कुछ महत्वपूर्ण न्यूक्लियोसिंथेसिस प्रक्रियाएँ:

- प्रोटॉन-प्रोटॉन श्रृंखला: तारों में हाइड्रोजन का जलना।
- सीएनओ चक्र: तारों में हाइड्रोजन जलने की एक अन्य प्रक्रिया।
- ट्रिपल-अल्फा प्रक्रिया: हीलियम का कार्बन में संलयन।
- एस-प्रक्रिया: धीमी न्यूट्रॉन कैप्चर प्रक्रिया लोहे को भारी तत्वों में परिवर्तित करती है।
- आर-प्रक्रिया: तीव्र न्यूट्रॉन कैप्चर से भारी तत्वों के न्यूट्रॉन-समृद्ध आइसोटोप का उत्पादन होता है।
- आरपी-प्रक्रिया: हल्के तत्वों का निर्माण करते हुए तेजी से प्रोटॉन कैप्चर।
- पी-प्रक्रिया: विस्फोटक वातावरण में मौजूदा नाभिक का फोटोविघटन।

➤ साक्ष्य और अवलोकन

- टेकनेटियम डिटेक्शन (1952): इसके सहायता से तारों के भीतर न्यूक्लियोसिंथेसिस का पहला साक्ष्य प्रदान किया गया।
- स्टारडस्ट समस्थानिक रचनाएँ: इस दौरान तारों के भीतर न्यूक्लियोसिंथेसिस दिखाया गया था।
- सुपरनोवा 1987ए गामा-रे लाइन्स: यह पुष्टिकृत विस्फोटक न्यूक्लियोसिंथेसिस है।

निश्चित आय निधि

संदर्भ: छोटे निवेशकों के मध्य उत्पन्न संदेहास्पद मतभेदों के बाद सेबी ने फिक्स्ड इनकम फंड के लिए नए दिशानिर्देश परिभाषित किए हैं।

➤ म्यूचुअल फंड की श्रेणियाँ

- **ओपन-एंडेड फंड:** इसे एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) से खरीदा और एएमसी के साथ भुनाया जा सकता है, साथ ही कॉर्पस का आकार प्रतिदिन बदलता है।
- **क्लोज-एंडेड फंड:** यह ट्रेडिंग के लिए एक्सचेंजों (एनएसई/बीएसई) पर सूचीबद्ध तो है, लेकिन इसे एएमसी से खरीदा या भुनाया नहीं जा सकता है और कॉर्पस का आकार स्थिर रहता है। यह बाजार मूल्य परिवर्तन से प्रभावित होता है।

➤ इक्विटी बनाम फिक्स्ड-इनकम फंड

- **इक्विटी फंड:** इसके लिए दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता होती है; रिटर्न मुख्य रूप से लाभांश के बजाय मूल्य वृद्धि से आता है।

- **फिक्स्ड-इनकम फंड:** विभिन्न निवेश क्षेत्रों के लिए उपयुक्त; रिटर्न मुख्य रूप से प्रोड्युन (ज्ञात ब्याज दरों) से और आंशिक रूप से मार्केट-टू-मार्केट लाभ से होता है। यह दैनिक बाजार मूल्य परिवर्तनों से प्रभावित होता है।

➤ कुछ महत्वपूर्ण अवधारणाएँ

- **उपार्जन:** निश्चित आय निधि में, एनएवी में आनुपातिक ब्याज के दैनिक जोड़ को उपार्जन कहा जाता है।
- **मार्क-टू-मार्केट:** एनएवी दैनिक मूल्य परिवर्तन को दर्शाता है, जो बाजार की गतिविधियों के आधार पर संचय को बढ़ाता या घटाता है।

➤ निश्चित-आय निधि श्रेणियाँ

- **लिक्विड फंड:**
 - यह तीन महीने तक की शेष परिपक्वता अवधि वाले उपकरणों में निवेश को दर्शाता है।
 - इसमें मार्क-टू-मार्केट अस्थिरता कम होती है।
 - 1-2 सप्ताह के निवेश के साथ आपातकालीन नकदी समकक्षों के लिए यह उपयुक्त होता है।
- **मुद्रा बाजार फंड:**
 - यह एक वर्ष के भीतर परिपक्व होने वाले उपकरणों में निवेश को दर्शाता है।
 - इसका मार्क-टू-मार्केट प्रभाव सीमित है।
 - यह कुछ महीनों की अवधि के लिए ही उपयुक्त है।
- **बैंकिंग और पीएसयू फंड:**
 - यह बैंक और पीएसयू उपकरणों में कम से कम 80% निवेश को दर्शाता है।
 - इसके लिए कोई परिभाषित पोर्टफोलियो परिपक्वता की आवश्यकता नहीं है।
 - सामान्यतः इसे 3 वर्ष के लिए अनुशंसित किया जाता है।
- **कॉर्पोरेट बॉन्ड फंड:**
 - यह उच्चतम क्रेडिट रेटिंग वाले उपकरणों में कम से कम 80% निवेश को दर्शाता है।
 - आमतौर पर इस पोर्टफोलियो की परिपक्वता अवधि 3-5 वर्ष के लिए होती है।
 - यह सामान्यतः 3 वर्ष के लिए अनुशंसित है।
- **डायनेमिक बॉन्ड फंड:**
 - यह फंड मैनेजर को बाजार स्थितियों के आधार पर पोर्टफोलियो परिपक्वता को समायोजित करने की अनुमति देता है।
 - इसे 5 वर्ष के लिए अनुशंसित किया जाता है।
- **गिल्ट फंड:**
 - यह सरकारी बॉन्ड में कम से कम 80% निवेश को दर्शाता है।
 - इसकी परिपक्वता अवधि लंबी होती है।
 - इसे कम से कम 10 वर्ष के लिए अनुशंसित किया जाता है।
- **लक्ष्य परिपक्वता निधि (TMF):**
 - लॉन्च के समय बांड की परिपक्वता से मेल खाने वाली फंड की परिपक्वता के साथ एक परिभाषित परिपक्वता अवधि निर्धारित की जाती है।
 - इसकी क्रेडिट गुणवत्ता उच्चतम होती है।
 - परिपक्वता अवधि तक रखे जाने पर यह उच्च रिटर्न दर्शाता है।





NEWS IN BETWEEN THE LINES

विश्व मधुमक्खी दिवस



विश्व मधुमक्खी दिवस 20 मई को मनाया जाता है।

विश्व मधुमक्खी दिवस के बारे में:

- **उद्देश्य:** विश्व मधुमक्खी दिवस प्रतिवर्ष 20 मई को मनाया जाता है ताकि परागणकर्ताओं के महत्व, उनके सामने आने वाले खतरों और सतत विकास में उनके योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाई जा सके।
- **तिथि का चयन:** यह दिन 18वीं सदी के स्लोवेनियाई आधुनिक मधुमक्खी पालन तकनीकों के अग्रणी एंटोन जानसा के जन्मदिन को सम्मानित करने के लिए चुना गया था, उनकी इस क्षेत्र में योगदान को मान्यता देने के लिए।
- **घोषणा:** 2017 में, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने स्लोवेनिया के प्रस्ताव और 115 देशों के समर्थन के बाद विश्व मधुमक्खी दिवस घोषित किया।
- **भारत में प्रयास:** भारत सरकार ने 2020 में राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (NBHM) शुरू किया है ताकि वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन को बढ़ावा दिया जा सके और विकसित किया जा सके।
- **महत्व:** मधुमक्खियाँ दुनिया की एक-तिहाई फसलों और 90% जंगली फूलों के पौधों के परागण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो पौधों के प्रजनन और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करती हैं।
- **उत्पाद:** वे शहद, मोम, प्रोपोलिस और अन्य मूल्यवान उत्पाद भी उत्पन्न करती हैं जिनमें पोषण, औषधीय और आर्थिक लाभ होते हैं।
- **भारत में शहद उत्पादन:** भारत शहद का एक महत्वपूर्ण उत्पादक और उपभोक्ता है, जिसका वार्षिक उत्पादन 1.2 लाख मीट्रिक टन है और 83 से अधिक देशों में निर्यात किया जाता है।
- **प्रमुख शहद उत्पादक राज्य:** उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, पंजाब, बिहार और राजस्थान देश की कृषि अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं।

अर्तारा'24



हाल ही में, अर्तारा'24 ने दुबई में देश की उभरती कलात्मक प्रतिभाओं को खोजने और पोषित करने के लिए एक मंच के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

अर्तारा'24 के बारे में:

- **स्थान:** अर्तारा'24 दुबई में अल जलीला सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक ललित कला प्रदर्शनी और प्रतियोगिता है, जिसे जर्नॉर्कस द्वारा आयोजित किया गया था।
- **उद्देश्य:** अर्तारा'24 का प्राथमिक उद्देश्य दुबई में रहने वाली उभरती कलात्मक भारतीय प्रतिभाओं को खोजने और पोषित करने पर था।
- **प्रदर्शन:** इसका उद्देश्य कम ज्ञात कलाकारों, छात्रों और कला प्रेमियों को अपनी असाधारण क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक प्रतिष्ठित मंच प्रदान करना था।
- **कला संग्रह:** इसमें 250 से अधिक कला कृतियों का एक प्रभावशाली संग्रह था, जिनमें से प्रत्येक अपनी अनूठी कहानी बताती है और प्रतिभागियों की विविध पृष्ठभूमि और दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करती है।
- **प्रतियोगिता:** मुख्य प्रदर्शनी के अलावा, अर्तारा'24 में बच्चों के लिए एक ललित कला प्रतियोगिता 'एक्सप्रेस'24' भी शामिल थी।

AK-203 असॉल्ट राइफल



आंशिक रूप से यूक्रेन में संघर्ष और भुगतान संबंधी मुद्दों के कारण सौदे में देरी का सामना करने के बाद भारतीय सेना को रूसी एके-203 असॉल्ट राइफलें मिलनी शुरू हो गई हैं।

AK-203 असॉल्ट राइफल के बारे में:

- AK-203 असॉल्ट राइफल AK-100 श्रृंखला राइफल का एक प्रकार है, जिसे रूस में कलाशिकोव कंसर्न द्वारा विकसित किया गया है।
- भारत और रूस के बीच एक संयुक्त उद्यम के हिस्से के रूप में राइफलों का निर्माण भारत में लाइसेंस के तहत किया जाना है।
- इस उद्देश्य के लिए इंडो-रशियन राइफल प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) नामक संयुक्त उद्यम की स्थापना की गई थी।
- यह AK-47 का उन्नत संस्करण है, जो अपनी विश्वसनीयता, सरलता और स्थायित्व के लिए जाना जाता है।
- यह 7.62×39 मिमी कारतूस फायर करता है और इसमें चयनात्मक फायर क्षमता (अर्ध-स्वचालित और स्वचालित मोड) है।
- AK-203 राइफलों का उद्देश्य सेना के आधुनिकीकरण और हथियारों के मानकीकरण की आवश्यकता को पूरा करते हुए स्वदेशी INSAS राइफलों को प्रतिस्थापित करना है।

कैल्शियम कार्बाइड



हाल ही में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने विशेष रूप से आम के मौसम के दौरान फलों के कृत्रिम पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग के खिलाफ व्यापारियों, फल हैंडलरों और खाद्य व्यवसाय ऑपरेटर्स (FBOs) को सख्त चेतावनी जारी की है।

कैल्शियम कार्बाइड के बारे में:

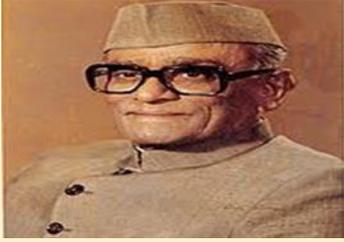
- कैल्शियम कार्बाइड एक रासायनिक यौगिक है जिसका सूत्र CaC_2 है।
- इसमें एक कैल्शियम कैटायन (Ca^{2+}) और एक कार्बाइड एनायन (C_2^{2-}) होता है।
- कैल्शियम कार्बाइड एक ग्रे-कालापन या भूरा ठोस होता है।
- इसका उच्च गलनांक (लगभग $2,300^{\circ}C$) होता है और यह अपेक्षाकृत घना होता है।
- इसे औद्योगिक रूप से चूना (CaO) और कोक (कार्बन) के मिश्रण को लगभग $2,000$ से $2,200^{\circ}C$ पर एक विद्युत चाप भट्टी में गर्म करके उत्पादित किया जाता है।
- यह पानी के साथ प्रतिक्रिया करके एसीटिलीन गैस (C_2H_2) उत्पन्न करता है, जिसका उपयोग वेल्डिंग में और रासायनिक उद्योग में कच्चे माल के रूप में किया जाता है।
- इसका उपयोग कैल्शियम साइनामाइड ($CaCN_2$) के निर्माण में किया जाता है, जो एक महत्वपूर्ण उर्वरक और रासायनिक फीडस्टॉक है।
- इसे (कई जगहों पर अवैध रूप से) फलों के कृत्रिम पकाने के लिए भी उपयोग किया जाता है क्योंकि यह एथिलीन के समान एक प्राकृतिक पकने वाले एजेंट की तरह एसीटिलीन छोड़ता है।





20 May, 2024

समाचार में व्यक्तित्व नीलम संजीव रेड्डी



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज राष्ट्रपति भवन में पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी की जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित की।

नीलम संजीव रेड्डी (19 मई 1913 - 1 जून 1996)

नीलम संजीव रेड्डी, एक भारतीय राजनेता, जिन्होंने 25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक भारत के छठे राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया, का जन्म आंध्र प्रदेश के इलूरु में हुआ था।

योगदान:

- नीलम संजीव रेड्डी महात्मा गांधी से प्रेरित होकर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में शामिल हुए और 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया।
- वह 1956 से 1960 तक आंध्र प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री बने।
- उन्होंने तेलुगु भाषी क्षेत्रों को आंध्र राज्य के साथ विलय करके राज्य के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्होंने 4वीं लोकसभा (1967-1969) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया, जहां वे अपनी निष्पक्षता और सदन के प्रभावी संचालन के लिए जाने जाते थे।
- उन्होंने एक पुस्तक लिखी, **बिना डर या पक्षपात: एक राष्ट्रपति के संस्मरण और प्रतिबिंब**, जो 1989 में प्रकाशित हुई थी।

नैतिक मूल्य: नैतिकता, निष्पक्षता, देशभक्ति, सादगी आदि।

सुर्खियों में स्थल

किर्गिस्तान

हाल ही में, यह स्पष्ट किया गया है कि पिछले तीन दिनों में भारतीय छात्रों के खिलाफ स्थानीय लोगों द्वारा किर्गिस्तान गणराज्य में कोई हमला नहीं हुआ है।

किर्गिस्तान (राजधानी: बिश्केक)

स्थान:

किर्गिस्तान मध्य एशिया में एक स्थल-रुद्ध देश है।

राजनीतिक सीमाएँ:

किर्गिस्तान की सीमाएँ चीन (पूर्व और दक्षिण-पूर्व), उजबेकिस्तान (पश्चिम), कजाखस्तान (उत्तर) और ताजिकिस्तान (दक्षिण) से मिलती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- जेनिश चोकुसु किर्गिस्तान का सबसे ऊँचा बिंदु है।
- नरीन नदी, तलास, चू और सिर दरिया किर्गिस्तान की प्रमुख नदियाँ हैं।
- किर्गिस्तान का कुमटोर गोल्ड माइन मध्य एशिया का सबसे बड़ा ओपन-पिट गोल्ड माइन है।
- किर्गिस्तान में सोना, यूरेनियम, कोयला, एंटीमनी, पारा, सीसा और जस्ता जैसे महत्वपूर्ण खनिज संसाधन हैं।



POINTS TO PONDER

- हाल ही में किन दो देशों ने हाइपरसोनिक मिसाइलों के लिए संयुक्त रूप से इंटरसेप्टर विकसित करने के समझौते पर हस्ताक्षर किए? – संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान
- हाल ही में विश्व का सबसे ऊँचा प्रतियोगिता पूल किस देश में खोला गया है? – भूटान
- 'विश्व दूरसंचार और सूचना समाज दिवस 2024' का विषय क्या है? – सतत विकास के लिए डिजिटल नवाचार
- हाल ही में भारत-जिम्बाब्वे संयुक्त व्यापार समिति (JTC) का तीसरा सत्र कहाँ आयोजित किया गया? – नई दिल्ली
- हाल ही में रक्षा पर 12वीं भारत-मंगोलिया संयुक्त कार्य समूह (JWG) की बैठक कहाँ आयोजित की गई? – उलानबटार

Face to Face Centres

